शीतला माता की आरती PDF

॥ श्री शीतला माता की आरती ॥

जय शीतला माता,मैया जय शीतला माता।

आदि ज्योति महारानीसब फल की दाता॥

ॐ जय शीतला माता...।

रतन सिंहासन शोभित,श्वेत छत्र भाता।

ऋद्धि-सिद्धि चँवर डोलावें,जगमग छवि छाता॥

ॐ जय शीतला माता...।

विष्णु सेवत ठाढ़े,सेवें शिव धाता।

वेद पुराण वरणतपार नहीं पाता॥

ॐ जय शीतला माता...।

इन्द्र मृदङ्ग बजावतचन्द्र वीणा हाथा।

सूरज ताल बजावैनारद मुनि गाता॥

ॐ जय शीतला माता...।

घण्टा शङ्ख शहनाईबाजै मन भाता।

करै भक्त जन आरतीलखि लखि हर्षाता॥

ॐ जय शीतला माता...।

pdfinbox.com

ब्रह्म रूप वरदानीतुही तीन काल ज्ञाता।

भक्तन को सुख देतीमातु पिता भ्राता॥

ॐ जय शीतला माता…।

जो जन ध्यान लगावेप्रेम शक्ति पाता।

सकल मनोरथ पावेभवनिधि तर जाता॥

ॐ जय शीतला माता…।

रोगों से जो पीड़ित कोईशरण तेरी आता।

कोढ़ी पावे निर्मल कायाअन्ध नेत्र पाता॥

ॐ जय शीतला माता…।

बांझ पुत्र को पावेदारिद्र कट जाता।

ताको भजै जो नाहींसिर धुनि पछताता॥

ॐ जय शीतला माता…।

शीतल करती जन कीतू ही है जग त्राता।

उत्पत्ति बाला बिनाशनतू सब की माता॥

ॐ जय शीतला माता…।

दास नारायणकर जोरी माता।

भक्ति आपनी दीजैऔर न कुछ माता॥

ॐ जय शीतला माता…।

बोलिये शीतला माता की जय

pdfinbox.com

pdfinbox.com

pdfinbox.com